Publication: Dainik Jagran **Date: Monday, 23rd March, 2015**

Edition: New delhi

नया बीमा कानून सही से लागू करना अहम

आमने-सामने

आरएम विशाखा

एमडी एवं सीईओ, इंडिया फर्स्ट लाइफ

● बीमा संशोधन विधेयक पारित हो चुका है, देश के बीमा क्षेत्र पर क्या असर पड़ेगा ?

– बीमा संशोधन विधेयक का पारित होना देश के बीमा क्षेत्र के इतिहास में एक बड़ी घटना है। सभी को उम्मीद है कि इसका सकारात्मक असर पूरे उद्योग व बीमा ग्राहकों पर पड़ेगा। बीमा नियामक इरडा को ज्यादा अधिकार देने की बात हो या फिर ग्राहकों के हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों की, हर तरह से इस नए कानून में काफी अच्छी बाते हैं। लेकिन यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि इसके प्रावधानों को लागू किस तरह से किया जाता है। अगर इन प्रावधानों को सही परिप्रेक्ष्य में इस्तेमाल नहीं किया जाता तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

● उल्टा असर ? जरा और स्पष्ट तरीके से बताएंगी आप ?

–जरूर, अब आप गलत सूचना देकर बीमा उत्पाद बेचने को रोकने के लिए किए गए प्रावधानों को ही लीजिए। जो प्रावधान हैं वे बेहतरीन हैं, लेकिन इनके गलत इस्तेमाल की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। एजेंसियों को यह देखना होगा कि जिस उद्देश्य से यह प्रावधान लाया गया है उसे जवाबदेह तरीके से लागू किया जाए। अगर इस प्रावधान को बेहद कड़ाई से लागू कर दिया जाए तो कई कंपनियों को दिक्कत हो सकती है। इस प्रावधान के तहत अगर एजेंट गलत सूचना देकर पॉलिसी बेचता है तो उसके लिए कंपनी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मान लीजिए किसी वर्ष एक कंपनी के 500 एजेंटों को इस तरह की गलती के लिए पकड़ा जाता है और कंपनी पर हर एजेंट की गलती के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया जाता है तो उस कंपनी की पूरी पूंजी ही डूब जाएगी।

● नए कानून में आम बीमा ग्राहकों के लिए क्या है ?

–देखिए, किसी भी उद्योग को आम ग्राहकों के हितों की अनदेखी करके आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। अब इसमें दावे के निपटारे संबंधी कुछ नए कदम उठाए गए हैं। मसलन, जीवन बीमा का सेटलमेंट पॉलिसी खरीदने के दो वर्ष बाद ही होगा। इससे जीवन बीमा में धोखाधड़ी की संभावना खत्म होगी और दो वर्ष बाद कंपनियां ग्राहकों के बीमा दावे का जल्दी से सेटलमेंट भी कर सकेंगी। इसी तरह से इरडा को नए अधिकार देने के फैसले से भी ग्राहकों के हितों की रक्षा हो सकेगी। अब इरडा ज्यादा आजादी से काम कर सकेगी और हर नए नियम के लिए उसे वित्त मंत्रालय की सहमति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

● आपकी कंपनी का प्रदर्शन कैसा है ?

–जीवन बीमा बाजार में काफी प्रतिस्पर्द्धा है। इसके बावजूद हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा है। हम अगले महीने वर्ष 2014-15 के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करेंगे और पूरी उम्मीद है कि पहली बार हम मुनाफा अर्जित करेंगे। अगले वित्त वर्ष के दौरान हमारे कारोबार में दोहरे अंक में बढ़ोतरी की उम्मीद है। हम फिलहाल सिर्फ अपने साझेदार बैंकों के जरिये ही अपने कारोबार का विस्तार करना चाहते हैं। इंडिया फर्स्ट में इक्विटी रखने वाले बैंकों में पांच करोड़ ग्राहक है। हम पहले इसका बड़े हिस्से को ग्राहक बनाना चाहते हैं। हम भावी रणनीति के लिए एक रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। हम हर बैंक ब्रांच और उस ब्रांच के ग्राहकों का व्यापक अध्ययन कर रहे हैं ताकि उनकी जरूरत के मुताबिक पॉलिसी बाजार में पेश कर सकें। इस अध्ययन से हम हर बैंक ब्रांच और उनके ग्राहकों के वर्गीकरण कर सकेंगे और उसी के मुताबिक अपनी पॉलिसी लांच करेंगे।

● बाजार में फिर से यूलिप पॉलिसियां आ रही हैं, आप ग्राहकों को क्या सुझाव देंगे ?

–हां, यह बात सच है कि बाजार में फिर से यूनिट लिंक्ड जीवन बीमा पॉलिसियां आने लगी हैं। लेकिन ग्राहकों को रणनीति अपनी जरूरत के हिसाब से बनानी चाहिए। अगर आपकी जरूरत 10 वर्ष या इससे ज्यादा अवधि के लिए है तो निश्चित तौर पर यूलिप आपके काम आ सकती हैं। मसलन, आप 40 वर्ष के हैं और 65 वर्ष की आयु में रिटायर होने के बाद के लिए वित्तीय सुरक्षा चाहते हैं तो ये यूलिप आपके काम की है। अगर तीन वर्ष बाद गाड़ी खरीदनी है या फिर बच्चे को स्कूल में दाखिला करवाना है तो इसके लिए यूलिप पर भरोसा मत कीजिए।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General Andhra Bank